

प्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग।--खण्ड 1

PART I—Section 1

ाधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं** ० 132

नई बिल्ली, सीमवार, जून 12, 1972/जपेट 22, 1894

No. 132]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 12, 1972/ JYAISTHA 22, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिस से कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 12th June 1972

Subject:—Import Policy for Registered Exporters for the year 1972-73 (Amendment No. 3).

No. 81-ITC(PN)/72.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters contained in the Import Trade Control Policy Bock (Vol. II) for the period April 1972-March 1973 issued under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 47-ITC(PN)/72, dated 3rd April, 1972.

2. It has been decided to reduce the existing import replenishment from 3 per cent to 1 per cent (One percent) in the case of the export product "Vegetable tanned leathers all sorts, known in the trade as E.I. Tranned, semi-tanned, partially tanned, half tanned pretanned hides and skins and crustleather" appearing at S. No. D. 1.1 of the aforesaid Policy Book. The reduction in the percentage will be applicable in respect of exports made on or after 15-6-1972.

M. M. SEN, Chief Controller of Imports & Exports.

### विदेश व्यापार मंत्रालय

# सार्यजनिक मूचना

ग्रायात व्यापार नियंत्र**ण** 

नई दिल्ली, 12 जून, 1972

विषय: श्रप्रैल, 1972-मार्च, 1973 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए ग्रायात नीति (संशोधन संख्या .....)

संस्था 81-माई०दी०सो० (पी०एन०)/72.—विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजिनक सूचना संख्या : 47-माईटीसी(पीएन)/72, दिनांक 3-4-72 के प्रन्तर्गत प्राप्रैल, 1972—मार्च, 1973 वर्ष के लिए जारी की गई श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक रेडबुक (वा० 2) में पंजीकृत निर्यातकों के लिए निहित श्रायात नीति की श्रोर ध्याम श्राकुष्ट किया जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि उक्त नीति पुस्तक की क्रम संख्या : डी॰ 1.1 पर के निर्यात उत्पाद "वनस्पति से कमाये हुए सभी प्रकार के चमड़े, जो ध्यवसाय में ई॰ ब्राई॰ कमाए हुए चमड़े के रूप में जाने जाते हैं, मध्यम कमाया हुग्ना चमड़ा, श्रांणिक रूप में कमाया हुग्ना चमड़ा, अर्थ कमाया हुग्ना चमड़ा, पूर्व कमाया हुग्ना चमड़ा, प्रांचिक रूप में कमाया हुग्ना चमड़ा, प्रांचिक रूप में कमाया हुग्ना चमड़ा, प्रांचिक स्थापपड़ीदार चमड़े" के मामले में भर्तमन श्रायात प्रतिपूर्ति को 3 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत (एक प्रतिशत) किया जाये।

ह० एम० एम० सेन, मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात ।